आरामदायक होगा 'प्रीमियम' का सफर

पहले चरण में एनईआर की दो ट्रेनों में लगेंगे लिंक हॉफमैन बुश कोच

राजन राय

गोरखपुर। प्रीमियम ट्रेनों के कोच अब अधिक आरामदायक होंगे। इन ट्रेनों में एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच लगाए जाएंगे। जिनको इस तरह डिजाइन किया गया है कि सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में ट्रेन के चलने पर थोड़ा सा भी झटका न लगे और अगर हादसा हो तो नुकसान कम से कम हो । पहले चरण में पूर्वोत्तर रेलवे ने दो प्रीमियम ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाने की तैयारी की है। इनमें से एक गोरखपुर से पुणे और दूसरी आनंद विहार टर्मिनल के लिए चलेगी।

यात्री सुविधाएं बढ़ाने के प्रयास में लगे रेल महकमें ने प्रीमियम ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इन कोच की खासियत यह है कि इनमें एक कंपार्टमेंट अधिक होगा। जिससे स्लीपर और एसी थ्री कोच में आठ जबकि एसी टू में छह बर्थ बढ़ जाएंगी। साथ ही एक कोच में एक तरफ तीन टॉयलेट होंगे और पानी की टंकी भी बड़ी होगी। जाहिर है कि लंबी दूरी में यात्रियों को पानी की किल्लत से जूझना नहीं पड़ेगा।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए कोच के वॉशरूम में पानी की टोटी में सेंसर लगा रहेगा। टायॅलेट में भी ऐसी व्यवस्था की गई है कि 30 किलोमीटर या इससे अधिक की रफ्तार पर जब ट्रेन चलेगी तभी गंदगी रेलवे ट्रैक पर डिस्चार्ज होगी। इससे प्लेटफॉर्म पर गंदगी नहीं होगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि रेल बजट में घोषित दो प्रीमियम ट्रेनें मार्च तक चलाई जानी हैं। इन ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इन कोच के लगने से यात्रियों का सफर काफी सहूलियत भरा होगा।

बढ़ेंगी सुविधाएं

- स्लीपर और एसी थ्री में आठ व एसी टू में छह बर्थ बढ़ाई जाएंगी
- वॉशरूम की टोटी में लगा रहेगा सेंसर, एक तरफ तीन टॉयलेट होंगे